पवित्रता परदे में नहीं रहती।
उसे रक्षा ईश्वर की ही चाहिए।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोक जीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 200 | जयपुर. गुरुवार . | 19 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

प्रिंस विलियम ने मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात नई दिल्ली में हुई। दोनों तीन दिवसीय भारत दौरे पर हैं। बुधवार को उनके दौरे का आखिरी दिन था। विलियम और केट सोमवार को मुंबई पहुंचे थे। वे अर्थशॉट प्राइज के छठे सालाना पुरस्कार समारोह में शामिल होने आए थे। विलियम ने 2020 में इस पहल की शुरुआत की थी। इसका मकसद दुनिया की बड़ी पर्यावरणीय समस्याओं के नए और बेहतर समाधान तलाशना है। साथ ही ऐसे समाधानों पर काम करने वालों की मदद करना भी है। हर साल पांच विजेताओं को चुना जाता है। हर विजेता को 10 लाख पाउंड दिए जाते हैं। भारतीय रुपये में यह रकम 12 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस पैसे से विजेता अपने प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर आगे बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात के साथ ही भारत में उनके सभी कार्यक्रम पूरे हो गए। यह मुलाकात उनके तीन दिन के भारत दौरे का आखिरी कार्यक्रम रही।

लतीफ भट के मारे जाने पर अमित शाह ने सुरक्षा बलों को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा के आखिरी ज्ञात सक्रिय स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट के मारे जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने लतीफ भट को मार गिराया। वहीं, उसका एक आतंकी सहयोगी उमर निसार भी इससे एक दिन पहले कुलगाम में मारा गया था। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस पूरे अभियान को जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी), भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और खुफिया एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से अंजाम दिया गया। गृह मंत्री ने कहा कि पूरे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहद उच्च स्तर का तालमेल देखने को मिला। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के बहादुर जवानों को सलाम करते हुए कहा कि देश उनके साहस को नमन करता है। आतंकी लतीफ भट के मारे जाने के बाद भाजपा नेता रविंदर रैना ने कहा, हमारे जवानों ने लश्कर-ए-तैयबा के कुख्यात आतंकवादी लतीफ भट को मार गिराकर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है, जिस पर लाखों रूपये का इनाम था। सुरक्षा बलों ने उसे सरेंडर करने का पूरा मौका दिया, यहां तक कि उसके परिवार वालों को भी बुलाया, लेकिन वह एक मस्जिद के अंदर छिप गया। हमारी सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने मस्जिद का पूरा सम्मान बनाए रखा; इसकी दीवारों पर एक भी गोली नहीं लगी और उसे तभी मार गिराया गया जब उसने भागने की कोशिश की।

अमेरिकी कंपनी खरीदेगी केकेआर की 22.5 प्रतिशत हिस्सेदारी

जय मेहता 400 मिलियन डॉलर में बेचने को तैयार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल टीम के सह-मालिक जय मेहता फ्रेंचाइजी में अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा बेचने के लिए तैयार हैं। इस घटनाक्रम से परिचित कई स्त्रोतों के अनुसार, मेहता तीन बार के आईपीएल चैंपियन में अपनी 45 प्रतिशत हिस्सेदारी का आधा हिस्सा अमेरिका स्थित एरेस मैनेजमेंट को बेच रहे हैं, जो एक निवेश प्रबंधन फर्म है, जिसके पास प्रीमियर लीग में चेल्सी एफसी और एनएफएल में मियामी डॉल्फिन सहित कई वैश्विक खेल संपत्तियों का स्वामित्व है। सूत्रों ने क्रिकबज को पुष्टि की है कि मेहता केकेआर में 22.5 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 400 मिलियन डॉलर में स्थानांतरित कर रहे हैं, जिसका कुल मूल्यांकन 1.78 बिलियन डॉलर (16,634 करोड़ रुपये) है। यह आंकड़ा स्पोर्टिको के केकेआर के हालिया मूल्यांकन 1.738 अरब डॉलर के अनुरूप है। मूल्यांकन दो फ्रेंचाइजी की बिक्री के अनुरूप भी लगता है - राजस्थान रॉयल्स जिसे 15,660 करोड़ रुपये (1.65 बिलियन डॉलर) में बेचा गया और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को 16,660 करोड़ रुपये (1.78 बिलियन डॉलर) में बेचा गया। मेहता, अपनी अभिनेत्री पत्नी जूही चावला मेहता के साथ, नाइट राइडर्स फ्रेंचाइजी के सह-मालिक रहे हैं, जिसमें बॉलीवुड स्टार शाहरूख खान की 55 प्रतिशत की बहुमत हिस्सेदारी है। तीनों प्रमोटरों ने एक कंपनी बनाई थी, कोलकाता नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसके माध्यम से उन्होंने 2007 में नाइट राइडर्स टीम खरीदी थी, जब पहली आठ आईपीएल फ्रेंचाइजी तत्कालीन आईपीएल अध्यक्ष ललित मोदी की निगरानी में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा बेची गई थीं। समझा जाता है कि मेहता और एरेस के बीच सौदा पूरी तरह नकद लेनदेन होगा जो पूरा होने के करीब है। बिक्री के लिए बीसीसीआई से औपचारिक मंजूरी की आवश्यकता होगी, जिसे अधिसूचित किया जाना चाहिए। जैसा कि प्रथा है, बीसीसीआई नए मालिक पर उचित परिश्रम करेगा। बीसीसीआई लेनदेन मूल्य के 5 प्रतिशत का भी हकदार है, जिसका अर्थ है कि वह लगभग 20 मिलियन डॉलर या 200 करोड़ रुपये के करीब कमाएगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक में गरीबी उन्मूलन, वित्तीय सशक्तीकरण और प्रशासनिक सुधारों पर भी हुई चर्चा

नशे के मुद्दे पर भावुक हुए पीएम मोदी, बोले- युवाओं को बचाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में देश में बढ़ती नशे की समस्या पर गहरी चिंता जताई। सूत्रों के मुताबिक, युवाओं में नशे की लत का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को हर हाल में नशे के चंगुल से बचाना होगा। प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता का उदाहरण देते हुए नशे की समस्या को भी जड़ से खत्म करने का आह्वान किया।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की अहम बैठक हुई। आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद मनीला से देर रात दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री ने सुबह 10:30 बजे बैठक की अध्यक्षता की। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली इस बैठक में नशे की बढ़ती समस्या, गरीबी उन्मूलन, नक्सलवाद, वित्तीय सशक्तीकरण और प्रशासनिक सुधारों समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिपरिषद की बैठक में देश के युवाओं पर नशे के बढ़ते प्रभाव की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी भावुक हो गए। उन्होंने रुंधे गले से कहा कि देश की युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में जाने से हर हाल में रोकना होगा। प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि जब देश से नक्सलवाद खत्म किया जा सकता है, तो नशे की समस्या को भी जड़ से समाप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों और अधिकारियों को आगाह किया कि नक्सलवाद के खिलाफ मिली उपलब्धियों को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि नक्सलवाद दोबारा सिर न उठा सके। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबी उन्मूलन के मुद्दे पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने 2014 में पहली बार केंद्र में सरकार बनने के बाद संसद के सेंट्रल हॉल में दिए गए अपने भाषण को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने अपनी सरकार को गरीबों के लिए समर्पित बताया था। उन्होंने दावा किया कि आज देश में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। हालांकि, अब सबसे बड़ी जरूरत यह सुनिश्चित करने की है कि ये लोग दोबारा गरीबी के दुष्चक्र में न फंसें। प्रधानमंत्री ने इसके लिए लोगों के बीच बचत की आदत को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज की संस्कृति केवल 'खाओ-पियो और मौज करो' वाली नहीं रही है, बल्कि बचत करना भारतीयों के स्वभाव का अहम हिस्सा रहा है। इस आदत को और मजबूत करने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में सितंबर में आयोजित चिंतन बैठक के दौरान तय किए गए लक्ष्यों पर हुई प्रगति का भी जायजा लिया गया। इसके अलावा प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों की दिशा में अब तक उठाए गए कदमों का मूल्यांकन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी की यह बैठक मनीला में आयोजित आसियान शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद हुई। बैठक में विशेष रूप से युवाओं को नशे से बचाने, गरीबी से बाहर आए लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी उपलब्धियों को बनाए रखने पर जोर दिया गया।



मंत्रिपरिषद की बैठक में तीन बड़े प्रेजेंटेशन

बैठक में सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भविष्य की रणनीतियों को लेकर तीन विस्तृत प्रेजेंटेशन दिए गए।

गरीबी उन्मूलन पर प्रेजेंटेशन: विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया कि देश में 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। इस प्रेजेंटेशन को वित्त, आर्थिक मामलों, ग्रामीण विकास, पंचायती राज और मत्स्य पालन समेत 11 मंत्रालयों और विभागों के सचिवों ने पेश किया।

नक्सल मुक्त भारत पर प्रेजेंटेशन: बैठक में नक्सलवाद के खिलाफ अब तक उठाए गए कदमों और देश को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में हुई प्रगति पर चर्चा की गई। इसके साथ ही भविष्य की रणनीतियों पर भी जानकारी दी गई।

जनधन योजना और वित्तीय सशक्तीकरण: तीसरा प्रेजेंटेशन प्रधानमंत्री जनधन योजना पर केंद्रित रहा। इसमें आम नागरिकों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने और उनके आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई।

कुलगाम मुठभेड़ में लश्कर कमांडर लतीफ भट ढेर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के टॉप कमांडर लतीफ भट को मार गिराया। वह जंगलपोरा इलाके की एक मस्जिद में छिपा हुआ था। सुरक्षाबलों ने उसे कई बार आत्मसमर्पण करने का मौका दिया, लेकिन उसने इनकार कर दिया। कुलगाम के एसएसपी अनायत अली चौधरी के अनुसार, मस्जिद को नुकसान से बचाने के लिए सुरक्षाबलों ने बेहद संयम बरता। ऑपरेशन के बाद मारे गए आतंकी का शव और हथियार बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि लतीफ भट और उसका साथी उमर निसार डार 11 नवंबर को अखरान में सीआरपीएफ चौकी पर हुए हमले में शामिल थे। दोनों ने हमले से पहले कई इलाकों की रेकी भी की थी। सीसीटीवी फुटेज में उनकी गतिविधियां सामने आई थीं। उमर निसार डार सोमवार को एक अन्य मुठभेड़ में मारा गया था। इससे पहले बुधवार सुबह सुरक्षा बलों ने आतंकी लतीफ भट को वीडियो कॉल भी किया था, अफसरों ने आतंकी लतीफ से सरेंडर करने के लिए कहा था। सामने आए वीडियो में एक अधिकारी को भट से यह कहते हुए सुना गया, 'हम तुम्हारे साथ हैं।' हालांकि, उसने सरेंडर करने से इनकार कर दिया और कहा, 'मुझे अल्लाह से मुलाकात करनी है। मैं बहुत खुश हूं।' सुबह होने से पहले ही फिर से गोलीबारी शुरू हो गई, सुरक्षा बलों ने कुलगाम के कई गांवों में अपना ऑपरेशन तेज किया हुआ था। भट का साथी, उमर निसार डार, सोमवार को कुलगाम में हुई एक मुठभेड़ में मारा गया था। निसार और लतीफ 11 नवंबर को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक चौकी पर हुए हमले में शामिल थे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नई दिल्ली दौरा

राजस्थान के विकास, कानून व्यवस्था एवं जल परियोजनाओं पर हुई चर्चा



नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से मुलाकात कर राज्य में चल रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं और जनहित से जुड़ें विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भेंट कर प्रदेश की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, राज्य के समग्र विकास को नई गति देने, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभिन्न अन्य विषयों पर सार्थक चर्चा की।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री के सतत सहयोग से राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंच रहा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से मुलाकात के दौरान प्रदेश के जल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रगतिरत विभिन्न जल परियोजनाओं, पेयजल उपलब्धता तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को लेकर सकारात्मक संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केन्द्र सरकार के सहयोग से जल के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

जल प्रबंधन और पेयजल सुविधाओं के विस्तार पर शर्मा ने की सी.आर. पाटिल से चर्चा



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच राजस्थान में जल प्रबंधन को प्रभावी बनाने, आमजन को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जल संसाधनों के बेहतर उपयोग, पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाने और किसानों को सिंचाई के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित विषयों पर केंद्रीय मंत्री के साथ विचार-विमर्श किया।

चीन पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन से मिलाया हाथ



बीजिंग (एजेंसी)। चीन में इस समय एपीईसी देशों का जमावड़ा लगा हुआ है। पूरी दुनिया की नजर लेकिन इस मीटिंग से ज्यादा ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात पर है। बुधवार को समूह के फोटो सेशन के दौरान भी एक ऐसा ही घटनाक्रम देखने को मिला। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक जगह पर खड़े होकर बाकी नेताओं का स्वागत कर रहे थे। वहां पर डोनाल्ड ट्रंप के पहुंचने के बाद दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। इसके बाद वहां पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी पहुंचे। पुतिन ने सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप से हाथ मिलाया। इसके बाद तीनों नेताओं के बीच अभिवादन का एक दौर शुरू हो गया। एशिया-पैसिफिक इकॉनॉमिक कॉपरेशन समूह के शिखर सम्मेलन के दौरान तीनों नेताओं के बीच होने वाली इस बैठक पर पूरी दुनिया की नजर है। तीनों नेताओं ने इस हल्की बातचीत के बाद समूह के बाकी नेताओं के साथ फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान मेजबान के तौर पर चीनी राष्ट्रपति शी और उनकी पत्नी पेंग मध्य में रहे। उनके पास में ही पुतिन और ट्रंप भी मौजूद थे। इसके साथ ही वहां जापान की पीएम तकाइची, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्को कार्नी, इंडोनेशिया के नेता समेत अन्य राष्ट्राध्यक्ष मौजूद रहे।

यूक्रेन और ईरान में चल रहे युद्ध के बीच इन तीनों नेताओं की बैठक पर पूरी दुनिया की नजर है। क्रेमलिन और रूसी मीडिया ने इस पुतिन और ट्रंप के हाथ मिलाने को ऐतिहासिक करार दिया है। इस हैंडशेक और आने वाले समय में दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूशी उशाकोव ने बेहतरी की उम्मीद जताई है। उशाकोव ने कहा कि शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के बीच कई बार बातचीत हो सकती है, जिसमें गाला डिनर और 19 नवंबर के पूर्ण सत्र (प्लेनरी सेशन) के दौरान होने वाली बातचीत भी शामिल है। चीन की स्टेट मीडिया के मुताबिक इन तीनों नेताओं की आधिकारिक बैठक 19 नवंबर को होगी। इससे पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने अमेरिकी समकक्ष का स्वागत एयरपोर्ट पहुंचकर किया। इसे ट्रंप के उस व्यवहार का बदला माना जा रहा है, जो उन्होंने जिनपिंग की अमेरिकी यात्रा के दौरान दिखाया था। उस दौरान ट्रंप ने एयरपोर्ट पर आकर जिनपिंग का स्वागत किया था। अब ट्रंप के चीन पहुंचने पर जिनपिंग ने भी ठीक उसी तरीके से उनका स्वागत किया। दुनिया की तीन प्रमुख शक्तियों के नेताओं के बीच वैश्विक मुद्दों पर सीधे बातचीत का यह दुर्लभ अवसर है। इस बैठक की तुलना 1945 में हुए याल्टा सम्मेलन से की जा रही है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया को प्रभाव क्षेत्रों में बांटने पर चर्चा की थी।

पहला टेस्ट मैच आज से: डब्ल्यूटीसी फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए न्यूजीलैंड से जीतने होंगे दोनों टेस्ट मैच

वेलिंगटन (एजेंसी)। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की शृंखला में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। आज से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती 15 इंच घास वाली पिच पर न्यूजीलैंड के मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने की होगी। वेलिंगटन स्थित बेसिन रिजर्व मैदान की पिच पर शुरूआती दो दिनों में तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

भारत के लिए यह सिर्फ दो टेस्ट मैच जीतने की चुनौती नहीं, बल्कि शुभमन गिल की रणनीतिक सूझबूझ, टीम संयोजन और बल्लेबाजों के धैर्य की भी बड़ी परीक्षा होगी। भारतीय क्रिकेट टीम को पहले टेस्ट मैच में वेलिंगटन की हवादार और तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही परिस्थितियों में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यह एक ऐसी टेस्ट सीरीज है, जिसमें हारना भारतीय टीम को हार काफी महंगी पड़ सकता है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए भारत को अपने शेष सात में से कम से कम 6 टेस्ट मैचों में जीत हासिल करनी होगी।



शुभमन गिल ने पहले टेस्ट मैच की शुरूआत से 48 घंटे पहले पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि अगर हम ये दोनों टेस्ट जीत जाते हैं तो हमारे पास फाइनल में जगह बनाने का अच्छा मौका होगा। हालांकि, न्यूजीलैंड में जीत हासिल करना इतना आसान नहीं हैं। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड के पास बहुत अच्छा तेज गेंदबाजी आक्रमण है।

भारत को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके बल्लेबाजों को छह फीट आठ इंच लंबे काइल जैमीसन, छह फीट पांच इंच लंबे जैकब डफी और तेज और आक्रामक मैट हेनरी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मैट हेनरी ने हाल में अपने कौशल से भारतीय बल्लेबाजों को अच्छी तरह से अवगत करा दिया था। शुभमन गिल का टॉस जीतने के मामले में रिकॉर्ड अच्छा है। अगर वह गुरूवार को टॉस जीतते हैं तो निश्चित तौर पर पहले गेंदबाजी का फैसला करेंगे, ताकि शानदार फॉर्म में चल रहे उनके गेंदबाजी आक्रमण को उस पिच का फायदा मिले जिस पर 15 इंच की घास की परत होगी। शुभमन गिल ने संकेत दिया था कि वह चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पसंद करेंगे।

विला खरीद और रिसॉर्ट स्वीकृतियों की जांच के घेरे में आईएएस अग्रवाल

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल (तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग विभाग), गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मुकुन्द शरण गोयल, प्रबंध निदेशक संजय गोयल सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एसीबी ने यह कार्रवाई प्राथमिक जांच में आरोपों की प्रथम दृष्टया पुष्टि होने के बाद की है। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के अनुसार, जांच में उदयपुर के बूझड़ा स्थित अनंता रिसॉर्ट की 13.705 हेक्टेयर कृषि भूमि को वर्ष 2006 में पर्यटन इकाई के लिए संपरिवर्तित करने में अनियमितताओं के आरोप सामने आए। जांच में आवश्यक विभागीय एनओसी नहीं लेने और संपरिवर्तन आदेश की दो महत्वपूर्ण शर्तें हटाने का मामला भी सामने आया। ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2023 में उदयपुर, मार्च 2026 में अलवर और अक्टूबर 2026 में जयपुर स्थित अनंता रिसॉर्ट में अग्रवाल और उनके परिजनों के नाम पर कुल 64 विला खरीदने के मामले की जांच की जा रही है। इनमें कुछ विला डीएलसी दर से कम कीमत पर खरीदे जाने और अन्य खरीदारों को अधिक कीमत पर बेचने के आरोप हैं। एसीबी ने कंपनी को करीब दो करोड़ रुपए का अनुचित लाभ पहुंचाने की आशंका भी जताई है। जांच में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की चेकलिस्ट में बदलाव कर आवश्यक दस्तावेजों की शर्तें हटाने तथा कंपनी को रिसॉर्ट के लिए स्वीकृतियां देने के मामले भी शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज हासिल करने में कथित अनियमितताओं की भी जांच की जाएगी।



भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल (तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग विभाग) के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। प्रकरण में निजी कंपनी गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मुकुन्द शरण गोयल, प्रबंध निदेशक संजय गोयल एवं अन्य भी आरोपी हैं। ब्यूरो की इकाई जयपुर नगर प्रथम द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0323/2026 दर्ज करवाई गई है।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संपादक - स्व. डॉ. विनोदकुमार तिवेदी

राजनीति की दशा और दिशा बदल सकते हैं युवा

अधिकांश लोगों के मन में राजनीति को लेकर नकारात्मक धारणा बनी हुई है। वे इसे भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अनुचित हथकंडों का खेल मानते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि राजनीति का संबंध किसी देश या क्षेत्र के शासन, प्रशासन और नीतियों के निर्माण से है। पुराने घाघ नेताओं की मौजूदगी के चलते भारतीय राजनीति में प्रवेश करना किसी युवा के लिए अब आसान नहीं है। इसके लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना और जनता के बीच अच्छी पहचान तथा समर्थन होना बहुत जरूरी है। एक आम आदमी जो बड़ी मुश्किल से अपना घर चलाता है और अपनी जरूरतों पर ही पैसा खर्च करता है, उसके लिए किसी राजनीतिक पार्टी से चुनाव लडने का टिकट पाने के लिए लाखों या करोड़ों रुपए खर्च करना आसान नहीं है। अगर कोई व्यक्ति निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडना चाहता है, तो उसे भी अपने प्रचार-प्रसार और चुनाव जीतने के लिए काफी पैसा खर्च करना पड़ता है। दूसरी बड़ी समस्या जनता का समर्थन हासिल करना है। ऐसे में किसी युवा, योग्य और ईमानदार व्यक्ति के लिए जनता का समर्थन हासिल करना कठिन हो सकता है। इसके अलावा भारतीय राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे कुछ उम्मीदवारों और नेताओं की मौजूदगी भी एक चिंता का विषय है। ऐसे माहौल में एक सामान्य व्यक्ति के लिए अपनी जगह बनाना और राजनीति में टिके रहना आसान नहीं होता। इन मुश्किलों के बावजूद युवा यह भी सोचें कि हम 21वीं सदी में रह रहे हैं, जहां एक ओर दुनिया तेजी से एक-दूसरे के करीब आ रही है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर अस्थिरता भी बढ़ रही है। ऐसे समय में देश को सही दिशा में आगे ले जाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी के कंधों पर है। देश की प्रगति, शांति और स्थिरता के लिए युवाओं का जागरूक और जिम्मेदार होना बेहद जरूरी है। आमतौर पर एक सामान्य व्यक्ति शांतिप्रिय, ईमानदार, सहयोगी और अपने काम से काम रखने वाला होता है।

वह समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहता है। इसके विपरीत राजनीति में प्रवेश करने वाले अनेक लोग महत्वाकांक्षी हो जाते हैं और किसी न किसी तरह सत्ता एवं प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। प्रसिद्ध नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने अपने नाटक 'द एप्पल कार्ट' में आम जनता और राजनेताओं के संबंधों पर व्यंग्य करते हुए एक रोचक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार आम जनता पांच वर्षों के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनती है और उन्हें एक गुब्बारे में बैठाकर ऊपर भेज देती है। गुब्बारे में बैठे राजनेता पांच वर्षों तक जनता से दूर रहते हैं, जबकि जनता उनसे किए गए वादों को पूरा होने की उम्मीद में आसमान की ओर देखती रहती है। इस दौरान आम आदमी की जेब खाली होती जाती है। महात्मा गांधी ने भी राजनीति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था, 'जो व्यक्ति यह कहता है कि उसे राजनीति में कोई रुचि नहीं है, वह उस डूबते हुए व्यक्ति के समान है जो कहता है कि उसे पानी में कोई रुचि नहीं है।' इस विषय पर आगे बढने से पहले यह समझना आवश्यक है कि राजनीति का वास्तविक अर्थ क्या है।

आज शिक्षा, खेल और राजनीति जैसे जीवन के विभिन्न क्षेत्र एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि आपस में जुड़े हुए हैं। जब 18 वर्ष की आयु में किसी युवा को मतदान का अधिकार दिया जाता है और वह वाहन चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकता है, तो फिर उसी उम्र में उसे राजनीति के प्रति जागरूक होने से क्यों रोका जाए? यदि हम उसे देश के लिए योग्य राजनीतिक नेतृत्व चुनने में सक्षम मानते हैं, तो देश की राजनीतिक गतिविधियों में उसकी रुचि और समझ भी आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। इसका अर्थ है कि भारत के राजनीतिक भविष्य को निर्धारित करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युवाओं के लिए देश की राजनीतिक परिस्थितियों से परिचित होना और विश्वभर में हो रहे राजनीतिक बदलावों पर नजर रखना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने देश, संविधान, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, राजनीतिक दलों तथा उनके चुनावी एजेंडों की जानकारी होनी चाहिए। इससे उनमें सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित होगी। जब किसी देश की युवा शक्ति एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट होती है, तो वह एक अपराजेय ताकत बन जाती है। कुछ लोगों का मानना हो सकता है कि राजनीति में रुचि लेने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। लेकिन यह धारणा पूरी तरह उचित नहीं है। राजनीति की जानकारी प्राप्त करना शिक्षा में बाधा नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। इससे युवाओं को समाज और दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पहचानने में सहायता मिलती है। राजनीति में सक्रिय रूप से शामिल होना हर युवा के लिए जरूरी नहीं है, लेकिन राजनीतिक रूप से जागरूक होना प्रत्येक नागरिक के लिए महत्वपूर्ण है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने में युवाओं ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है।

कर रियायतों से सरकारी राजस्व को नुकसान और घरेलू निवेशकों के साथ भेदभाव की आशंका

पिछले काफी समय से भारत के शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशक भारत में बिकवाली कर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बाहर ले जा रहे हैं। वर्ष 2026-27 के प्रथम 7 महीने से भी कम समय में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशक 1.7 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जिससे रुपए पर दबाव बन रहा है और उसमें अवमूल्यन हो रहा था।

गौरतलब है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों को सरकारी बांडों पर पूंजीगत लाभ और आयकर में छूट से लगभग 10000 करोड़ के राजस्व का नुकसान होगा। अब जब विदेशी निवेशक यह मांग कर रहे हैं कि उन्हें शेयरों पर होने वाले पूंजीगत लाभ और आय पर भी कर की छूट मिले, तो यह नुकसान कई गुना होने की संभावना है। दूसरे, विदेशी निवेशकों पर कर में रियायत को भारतीय निवेशकों के साथ भेदभाव भी माना जा सकता है। इससे भारतीयों द्वारा बचत का प्रोत्साहन घटेगा, जिससे विदेशियों पर निर्भरता बढ़ सकती है। तीसरे, विदेशी निवेशकों की एसटीटी कम करने की मांग, आय निवेशक के लिए अत्यंत घातक है। 2026-27 के बजट में एसटीटी बढ़ाने के कारण एफएंडओ में छोटे निवेशकों का आकर्षण कम हुआ है, जिससे विदेशी संस्थागत निवेशकों का अनुचित लाभ कम हुआ है। ऐसे में एसटीटी को कम करने की मांग अनुचित तो है ही, यदि यह मांग मान ली जाएगी तो छोटे निवेशकों को बड़ा नुकसान जारी रहेगा। चौथे, विदेशी संस्थागत निवेशक चाहते हैं कि उनके लाभार्थी निवेशकों की जानकारी को गुप्त रखा जाए, इसलिए वे केवाईसी नियमों से छूट जाते हैं। इससे पहले यूपीए शासनकाल में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा पार्टिसिपेटरी नोट्स के माध्यम से भारत के शेयर बाजारों में पैसा लगाया जाता था। इस पद्धति का खासा विरोध हुआ था, क्योंकि ऐसा माना जा रहा था कि पार्टिसिपेटरी नोट्स के माध्यम से आतंकवादी संगठनों एवं अन्य प्रकार की गैर कानूनी स्रोतों से पैसा भारत के शेयर बाजार में आता है और उससे होने वाले लाभ भारत के खिलाफ ही इस्तेमाल किए जाते हैं। यदि केवाईसी नियमों को शिथिल किया जाएगा तो यह कानूनी रूप से अनुचित ही नहीं, बल्कि गैर-कानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे वाला होगा।

आर्थिक विश्लेषकों की क्या है राय : अधिकांश आर्थिक विश्लेषक यह मानते हैं कि करों में छूट अथवा अन्य सुविधाएं वास्तव में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा बिकवाली को नहीं रोक पाएगी क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशक देश में करों अथवा नियमों के कारण बिकवाली नहीं कर रहे, बल्कि दुनिया में बदलते हालात विदेशी निवेशकों द्वारा भारत में उनके द्वारा शेयरों की बिक्री का कारण बन रहे हैं। भारत एक उभरती अर्थव्यवस्था है, और भारत से इन संस्थागत निवेशकों को खासा लाभ भी हुआ है। दशकों तक विदेशी संस्थागत निवेशक भारत से 30 से 40 प्रतिशत लाभ कमाते रहे हैं। वास्तव में विदेशी संस्थागत निवेशक कई अन्य कारणों से अपने शेयर बेच रहे हैं। सबसे पहला और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कारण अमरीका में ब्याज दरों में वृद्धि और अमरीकी सरकार के बांडों पर आकर्षक लाभ है। पूर्व में अमरीका में फेडरल दर 0.25 प्रतिशत तक थी। लेकिन हाल ही के वर्षों में फेडरल रिजर्व (अमरीकी केंद्रीय बैंक) ने बढ़ती महंगाई के चलते फेडरल दर बढ़ा दी है, और वर्तमान में यह 3.75 से 4.0 प्रतिशत है। ऐसे में संस्थागत निवेशक वापसी का रुख कर रहे हैं। दूसरा प्रमुख कारण भू-राजनीतिक अनिश्चितता है। ऐसी किसी भी स्थिति में विदेशी निवेशक अपने घरेलू बाजारों की ओर रुख कर लेते हैं। इस स्थिति को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 'रन फॉर सेफ हेवन' कहा जाता है।

निवेशकों द्वारा बिकवाली का तीसरा प्रमुख कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल की बढ़ती कीमत और उसकी वजह से दुनिया के दूसरे भागों में वित्त की बढ़ती मांग है। चौथा कारण, रुपए का अवमूल्यन है। क्योंकि भारतीय रुपया पिछले समय में काफी ज्यादा गिर गया था, इसलिए निवेशकों को लाभ होने पर भी डॉलरों में वह लाभ बहुत हो जाता है। इसलिए वे बाहर की ओर रुख कर लेते हैं। पांचवां कारण यह है कि कई अन्य देशों में उभरते उद्योगों की वजह से वहां निवेश की संभावनाएं ज्यादा हैं। इस संदर्भ में दक्षिण कोरिया और ताईवान की ओर विदेशी निवेशक रुख कर रहे हैं।

पिछले काफी समय से भारत के शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशक भारत में बिकवाली कर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बाहर ले जा रहे हैं। वर्ष 2026-27 के प्रथम 7 महीने से भी कम समय में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशक 1.7 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जिससे रुपए पर दबाव बन रहा है और उसमें अवमूल्यन हो रहा था। नीति निर्माता चिंतित हैं और तरह-तरह से प्रयास कर उन्हें भारत की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार पर उन्हें पहले से अधिक रियायतें देने संबंधी दबाव भी बन रहा है। यह तर्क दिया जा रहा था कि विदेशी संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका करों में रियायत देने से संबंधित है। 5 जून 2026 को सरकार और रिजर्व बैंक ने स्वीकृत बांडों से होने वाले पूंजीगत लाभ को पूर्व के 12.5 प्रतिशत पूंजीगत लाभ कर और आयकर से छूट दी गई है। इसके अलावा पूर्व में जहां 15, 30 और 40 वर्ष के ब्रांड विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नहीं खरीद सकते थे, लेकिन अब उन्हें इसकी अनुमति दी गई है।

इसी प्रकार अन्य प्रकार की रियायतें भी विदेशी संस्थागत निवेशकों को दी गई हैं। लेकिन उसके बावजूद इन निवेशकों की बिकवाली बदस्तूर जारी है। लेकिन यह जरूर हुआ है कि अब विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सरकारी बांडों में निवेश बढ़ा दिया है। अब क्या मांग है विदेशी संस्थागत निवेशकों की? हालांकि सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की सरकारी ऋण प्रतिभूतियों पर आयकर और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभों से छूट पहले ही दे दी है, अब उनकी मांग है कि उन्हें शेयरों पर मिलने वाले पूंजीगत लाभों और अन्य लाभों पर कर से छूट मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि यह छूट उनको पहले भी प्राप्त थी। दूसरे, विदेशी निवेशक सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में भी कमी चाहते हैं। गौरतलब है कि इस साल बजट में सरकार ने 'फ्यूचर और ऑप्शन' (एफएंडओ) में एसटीटी को बढ़ाया था। पिछले सालों में एफएंडओ की वजह से रिटेल इन्वेस्टरों को बड़ा घाटा उठाना पड़ा था और इसका फायदा बड़ी विदेशी कंपनियों ने उठाया। सेक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड (सेबी) की रिपोर्ट के अनुसार 4850 करोड़ रुपए का गैर-कानूनी लाभ 'जेनस्ट्रीट' सरीखी कंपनी ने एफएंडओ से कमाया। कुल मिलाकर कंपनी ने जनवरी 2023 और मार्च 2025 के बीच 36700 करोड़ रुपए का लाभ कंपनी ने कमाया। यह लाभ वास्तव में छोटे निवेशकों का नुकसान है। तीसरे, विदेशी संस्थागत निवेशक चाहते हैं कि प्राइवेट एक्टिविटी फंड टाइगर ग्लोबल, से संबद्ध मामले में जो सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया है, उसके बारे में यह स्पष्ट करें कि 2027 के पूर्व के निवेश पर भारतीय टैक्स लागू होंगे अथवा नहीं।

गौरतलब है कि 2017 में भारत ने मॉरीशस के साथ दोहरे टैक्स वचन समझौते में बदलाव कर दिया था और मॉरीशस के रास्ते आने वाले निवेश पर कर लगाने का निर्णय लिया था। चौथे, विदेशी संस्थागत निदेशक अन्य प्रकार से सुविधाएं चाहते हैं, जैसे टैक्स रिफंड को आसान बनाना, केवाईसी और लाभार्थी का खुलासा करने की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। समझा जा सकता है कि विदेशी संस्थागत निवेशक वे सभी सुविधाएं चाहते हैं जो अभी तक घरेलू निवेशकों को उपलब्ध नहीं हैं। करों में छूट अथवा मुक्ति अथवा केवाईसी नियमों में छूट आदि देश के लिए अमंगलकारी होते हैं।

हालांकि सरकार ने पहले से ही सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश से आय और पूंजीगत लाभों को कर मुक्त कर दिया है, यदि शेयरों को भी करों से मुक्त किया जाएगा तो उसका नुकसान सरकारी राजस्व को होगा, जिससे भारत सरकार का राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है, जो महंगाई बढ़ाने वाला और भविष्य की पीढ़ियों पर कर्ज भी बढ़ाने वाला है।

अहंकार के शिथिल होने पर घटित होता है आत्मबोध

जनसामान्य के लिए गूढ़ विषय से संबंधित किसी बात को सिर्फ एक बार ही सुनकर समझ पाना कठिन है। इसके लिए उन्हें उसे बार-बार सुनना चाहिए, उसकी व्याख्या को समझना चाहिए, तब कहीं वे विषय को गहराई से समझ पाएंगे और तभी वे उसे अपने जीवन में उतार पाएंगे। आइये, इसे थोड़ा और समझने की कोशिश करते हैं। 'सुनना', यानी शब्दों को ग्रहण करना बनाम 'जानना', यानी प्रत्यक्ष अनुभूति अथवा आत्म साक्षात्कार, जबकि असल जीवन में अक्सर होता यह है कि हम शास्त्र सुन लेते हैं, प्रवचन सुन लेते हैं, आत्मा की चर्चा सुन लेते हैं लेकिन चेतना में, आचरण में और जीवन में उसके आशय को, उसकी आत्मा को नहीं उतारते। शब्द सिर्फ शब्द रह जाते हैं, जीवन में नहीं आते।

यानी, बहुत लोग सुनते हैं, पर बहुत कम जानते हैं, और विरले ही उसे आचरण में, जीवन में उतारते हैं, उसे जीते हैं। इसीलिए भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि लोग सुनकर भी जान नहीं पाते। इस श्लोक का अंतिम शब्द है 'कश्चित।' 'कश्चित' शब्द का अर्थ बहुत निर्णायक है। संस्कृत में इसका अर्थ होता है- कोई-कोई, बहुत कम लोग, विरले। इसके बावजूद इस श्लोक में भगवान श्री कृष्ण ने यह नहीं कहा है कि आत्मा अज्ञेय है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि आत्मा को केवल शब्दों से नहीं जाना जा सकता। इस ज्ञान का मार्ग कान से या आंख से होकर नहीं जाता, बल्कि चेतना का यह मार्ग केवल भीतर की जागृति से खुलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण के द्वारा कहे गए शब्द 'जानने' का मतलब 'जानकारी' नहीं है, वह 'स्थिति' है, यानी स्वयं वही हो जाना जिसे जाना जा रहा है।

यही कारण है कि गीता आत्मा के बारे में जानने की बात करने के बजाय, आत्मा को जानने की बात करती है। अगला सवाल हमारे सामने यह है कि 'जानना' आखिर घटित कब होता है? भगवान श्री कृष्ण बताते हैं कि ऐसा तुरंत नहीं होता, नहीं हो सकता, बल्कि यह एक निश्चित स्थिति में घटित होता है, और यह स्थिति तब आती है जब हमारा अहंकार ढीला पढ़ता है, जब यह समझ आ जाता है कि प्रकृति के तीनों गुण ही हमारे आचरण को तय करते हैं और हम जान लेते हैं कि हम न तो 'कर्ता' हैं और न ही 'भोक्ता'। तब हम शोक या भय से चिपकते नहीं, सुख और दुख आते-जाते हैं, पर उनकी पकड़ नहीं बनती। तब हम जीवन को साक्षी भाव से देखते हैं, जीवन की उन घटनाओं की पकड़ नहीं बनती। इससे स्वीकार बढ़ जाता है और विरोध तिरोहित हो जाता है। हमारे मन में अक्सर यह सवाल उठता है कि आत्मा को जान लेना, आत्मा ही हो जाना क्रमिक है या यह कोई अचानक घट जाने वाली घटना है? यह प्रश्न गीता-मार्ग का केंद्र-बिंदु है, और गीता का उत्तर बहुत संतुलित, बहुत ईमानदार है, जहां बताया गया है कि तैयारी तो क्रमिक होती है, पर जानना स्वयं अचानक घटित होता है। किसी एक दिन अचानक पेड़ पर लगा सेब हमारे सिर पर गिरता है और हम गुरुत्वाकर्षण का नियम खोज लेते हैं, किसी एक दिन अचानक बोधि आती है और हम ज्ञान पा लेते हैं, बुद्ध हो जाते हैं।

जीवन क्रमिक रूप से पकता है, लेकिन सत्य अचानक उतरता है। यह सब धीरे-धीरे होता है, मन की भूमि तैयार होती है, इसीलिए श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण बार-बार अभ्यास और वैराग्य की बात करते हैं। एक उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। पुराने जमाने में लोग सूखी लकड़ी को दूसरी सूखी लकड़ी से रगड़ कर आग जला लेते थे। लकड़ी कितनी देर रगड़ी जाए, यह निश्चित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करता था कि दोनों लकडियां किस हद तक सूखी हुई हैं और उनकी मोटाई क्या है? रगड़ते-रगड़ते एक स्थिति ऐसी आती थी कि चिंगारी भड़क उठती थी और आग जल जाती थी। ऐसा ही तब होता है जब हम आत्मा को जान लेते हैं। तब भय, शोक खत्म हो जाते हैं, हानि-लाभ का कोई महत्व नहीं रह जाता, मृत्यु का भय नहीं रह जाता, और हम यह नहीं सोचते कि मेरे साथ क्या होगा, बल्कि स्वीकृति का यह भाव आ जाता है कि जो होना है, वह होगा। समभाव की यही स्थिति है जब हम सिर्फ सुनते ही नहीं, बल्कि जान जाते हैं और उसे जीना शुरू कर देते हैं। यही परम सिद्धि है, यही मोक्ष है! बहुत लोग सुनते हैं, पर बहुत कम जानते हैं, और विरले ही उसे आचरण में, जीवन में उतारते हैं, उसे जीते हैं।

इसीलिए भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि लोग सुनकर भी जान नहीं पाते। इस श्लोक का अंतिम शब्द है 'कश्चित।' 'कश्चित' शब्द का अर्थ बहुत निर्णायक है। संस्कृत में इसका अर्थ होता है- कोई-कोई, बहुत कम लोग, विरले। इसके बावजूद इस श्लोक में भगवान श्री कृष्ण ने यह नहीं कहा है कि आत्मा अज्ञेय है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि आत्मा को केवल शब्दों से नहीं जाना जा सकता। इस ज्ञान का मार्ग कान से या आंख से होकर नहीं जाता, बल्कि चेतना का यह मार्ग केवल भीतर की जागृति से खुलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण के द्वारा कहे गए शब्द 'जानने' का मतलब 'जानकारी' नहीं है, वह 'स्थिति' है, यानी स्वयं वही हो जाना जिसे जाना जा रहा है। अगला सवाल हमारे सामने यह है कि 'जानना' आखिर घटित कब होता है? भगवान श्री कृष्ण बताते हैं कि ऐसा तुरंत नहीं होता, नहीं हो सकता, बल्कि यह एक निश्चित स्थिति में घटित होता है, और यह स्थिति तब आती है जब हमारा अहंकार ढीला पढ़ता है, जब यह समझ आ जाता है कि प्रकृति के तीनों गुण ही हमारे आचरण को तय करते हैं और हम जान लेते हैं कि हम न तो 'कर्ता' हैं और न ही 'भोक्ता'। तब हम शोक या भय से चिपकते नहीं, सुख और दुख आते-जाते हैं, पर उनकी पकड़ नहीं बनती। तब हम जीवन को साक्षी भाव से देखते हैं, जीवन की उन घटनाओं की पकड़ नहीं बनती। इससे स्वीकार बढ़ जाता है और विरोध तिरोहित हो जाता है। हमारे मन में अक्सर यह सवाल उठता है कि आत्मा को जान लेना, आत्मा ही हो जाना क्रमिक है या यह कोई अचानक घट जाने वाली घटना है? यह प्रश्न गीता-मार्ग का केंद्र-बिंदु है, और गीता का उत्तर बहुत संतुलित, बहुत ईमानदार है, जहां बताया गया है कि तैयारी तो क्रमिक होती है, पर जानना स्वयं अचानक घटित होता है। किसी एक दिन अचानक पेड़ पर लगा सेब हमारे सिर पर गिरता है और हम गुरुत्वाकर्षण का नियम खोज लेते हैं, किसी एक दिन अचानक बोधि आती है और हम ज्ञान पा लेते हैं, बुद्ध हो जाते हैं। जीवन क्रमिक रूप से पकता है, लेकिन सत्य अचानक उतरता है। यह सब धीरे-धीरे होता है, मन की भूमि तैयार होती है, इसीलिए श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण बार-बार अभ्यास और वैराग्य की बात करते हैं। एक उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। पुराने जमाने में लोग सूखी लकड़ी को दूसरी सूखी लकड़ी से रगड़ कर आग जला लेते थे। लकड़ी कितनी देर रगड़ी जाए, यह निश्चित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करता था कि दोनों लकडियां किस हद तक सूखी हुई हैं और उनकी मोटाई क्या है? रगड़ते-रगड़ते एक स्थिति ऐसी आती थी कि चिंगारी भड़क उठती थी और आग जल जाती थी। ऐसा ही तब होता है जब हम आत्मा को जान लेते हैं। तब भय, शोक खत्म हो जाते हैं, हानि-लाभ का कोई महत्व नहीं रह जाता, मृत्यु का भय नहीं रह जाता, और हम यह नहीं सोचते कि मेरे साथ क्या होगा, बल्कि स्वीकृति का यह भाव आ जाता है कि जो होना है, वह होगा।

जयपुर स्थापना दिवस समारोह — *गंगापोल गेट पर विधि-विधान से हुआ प्रथम पूज्य भगवान गणेष का पूजन*

शाम को रंगारंग, सास्कृतिक कार्यक्रमो, आतिशबाजी ने जयपुरवासियों को किया मत्रंमुग्ध

दीयों से रोषन हुआ स्टेच्यू सर्किल, भव्य आतिषबाजी से रोषन हुआ आसमां

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर के 299वें स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को गंगापोल गेट पर महापौर सुनील कोठारी एवं सासंद जयपुर (शहर) श्रीमती मंजू शर्मा ने प्रथम पूज्य की विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना कर शहर की सुख समृद्धि और खुषहाली की कामना की। महापौर सुनील कोठारी ने सभी जयपुरवासियों को 299वें जयपुर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंदाचार्य, उप महापौर श्रीमती सरोज कंवर, एवं पार्षद विमल अग्रवाल, प्रतिभा शर्मा, कविता शर्मा, सुभाष संघी सहित अन्य पार्षद एवं जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे।





इस अवसर पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। जब गुलाब की पंखुडिया आम जन पर गिरी तो आमजन रोमाचिंत हो गए। इसके पष्चात् महापौर द्वारा गोविंददेव जी मंदिर पहुंच कर दर्षन व पूजन किया गया। इस अवसर पर कत्थक नृत्य की भी आकर्षक प्रस्तुती कलाकारों द्वारा दी गई।

स्टैच्यू सर्किल माननीय राज्यपाल हरीभाऊ बागड़े द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गायत्री परिवार की ओर से मंत्रउच्चारण से दीप प्रज्जवलन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, राज्यसभा सांसद घनष्याम तिवाड़ी, महापौर सुनील कोठारी, उपमहापौर श्रीमती सरोज कंवर, अन्य पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं आयुक्त ओम कसेरा, अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल सहित निगम के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। स्टेच्यू सर्किल के चारों ओर 8 हाथियों पर शहनाईवादन किया गया। साथ ही कलाकारों द्वारा लोक गीतों पर नृत्य की प्रस्तुतियां भी दी गई साथ ही भव्य आतिषबाजी भी की गई। स्टेच्यू सर्किल पर रंगारंग, सांस्कृतिक कार्यक्रमो, आतिषबाजी, शहनाईवादन ने जयपुरवासियों को मत्रंमुग्ध कर दिया। स्टेच्यू सर्किल पर भी हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई गायत्री परिवार की ओर से गायत्री मंत्र का उच्चारण भी किया गया।

स्टेच्यू सर्किल पर 11 हजार इलेक्ट्रोनिक एवं मिट्टी के दीपक से स्टेच्यू सर्किल रोषन हुई। इस दौरान जयपुर अखिल विष्व से न्यारा गीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में विदेषी सैलानियों ने भी आनंद लिया।

अलवर पुलिस का 45 दिवसीय साइबर सिक्योरिटी इंटर्नशिप कार्यक्रम सम्पन्न, 6 राज्यों के 34 विद्यार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे के बीच युवाओं की तकनीकी प्रतिभा को पुलिसिंग से जोड़ने की दिशा में अलवर पुलिस की अनूठी पहल के तहत आयोजित 45 दिवसीय 'साइबर सुरक्षा इंटर्नशिप प्रोग्राम-2026' सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। 5 अक्टूबर से 18 नवंबर 2026 तक आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान सहित देश के 6 राज्यों के 34 विद्यार्थियों ने भाग लेकर साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराध अनुसंधान से जुड़ी तकनीकी दक्षताएं हासिल कीं। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के लिए देशभर से करीब 1,600 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 105 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया तथा 50 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों में से 34 ने इंटर्नशिप कार्यक्रम में सहभागिता की। इसमें राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु के विद्यार्थी शामिल रहे। यह कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ. दीपक कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी के सुपरविजन में पुलिस उप अधीक्षक साइबर क्राइम वीरेंद्र सिंह भाटी, प्रोग्रामर मनीष गंगावत तथा सूचना सहायक उमेश खत्री के नेतृत्व में संचालित किया गया।



इंटर्नशिप को तीन चरणों में संचालित किया गया। पहले चरण में विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन दो तकनीकी एवं विषयगत व्याख्यान आयोजित किए गए। दूसरे चरण में विद्यार्थियों को साइबर पुलिस थाना, साइबर हेल्पडेस्क एवं चयनित पुलिस थानों में पर्यवेक्षण के तहत व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। तीसरे चरण में विद्यार्थियों ने साइबर अपराध अनुसंधान से जुड़ी समस्याओं पर शोध करते हुए तकनीकी प्रोजेक्ट विकसित किए। प्रशिक्षण के दौरान वित्तीय साइबर धोखाधड़ी, डिजिटल फॉरेंसिक, मालवेयर एवं एपीके विश्लेषण, ओपन सोर्स इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, ऑफेंसिव एवं डिफेंसिव सिक्योरिटी, ई-गवर्नेंस, साइबर सुरक्षा और डिजिटल फुटप्रिंट्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। इसके साथ ही साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, एनसीआरपी पोर्टल की कार्यप्रणाली, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, डिजिटल फॉरेंसिक टूल्स एवं साइबर जागरूकता अभियान के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग, बैंकिंग क्षेत्र, सरकारी तकनीकी विभाग और साइबर सुरक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार, डॉ. प्रियंका रघुवंशी, पुलिस उप अधीक्षक वीरेंद्र सिंह भाटी सहित बैंकिंग एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े अरविंद सिद्ध, केशव सैनी, जी.एस. चौधरी, अनिल जांगिड़, मनोज शर्मा, चारु अग्रवाल, अभिषेक पराशर, प्राची चौहान एवं नमन सेठी शामिल रहे।

आधी रात में कॉल

सॉफ्ट और लविंग नेचर ज्यादातर महिलाओं की खूबी होती है जिसका हर कोई पुरुष दिवाना होता है। कभी अपनी प्यारी सी सूरत से तो कभी अपनी नशीली आंखों से, अपनी लगभग हर एक अदा से वो पुरुषों का दिल चुराने में ज्यादातर कामयाब ही रहती हैं। लेकिन ज्यादा देर तक खूबसूरती के जाल में पुरुषों को बांधे रखना पॉसिबल नहीं है क्योंकि उन्हें भी ब्यूटी एक हद तक ही अट्रैक्ट करती हैं। पुरुष हमेशा से ब्यूटी विद ब्रेन वाली महिलाओं को पसंद करते हैं। महिलाएं ब्यूटी के अलावा और किन चीजों को करके पुरुषों का अट्रैक्शन बरकरार रख सकती हैं...जानना चाहेंगी आप? तो जरा गौर करें इन बातों पर...



दिन भर महिलाओं की बक-बक, उनकी शॉपिंग से लेकर डाइनिंग तक का ब्यौरा सुनकर आप थक चुके हों लेकिन जब रात के 2.30 बजे अचानक से आपका फोन रिंग हो और उठाते ही आई लव यू, आई मिस यू जैसे प्यारे वर्ड्स सुनने को मिलें तो दिल खुश हो जाता है। अचानक दोस्तों के साथ कार्ड खेलते हुए, सिगरेट का कश लगाते हुए या लैपटॉप पर काम करते हुए भी जब उनका प्यारा सा लव यू मैसेज आ जाता है तो चेहरे की रौनक ही अलग होती है।



मदद की ख्वाहिश रखना

ज्यादातर महिलाएं हेल्प के लिए कहती नहीं हैं वो खुद ही अपना काम कर लेती हैं लेकिन जब वो धीरे से पति या ब्वॉयफ्रेंड से हेल्प के लिए बोलें तो उनकी ये आदत पुरुषों को पसंद आती है और वो आगे बढक़र उनकी हेल्प करते हैं। इन छोटी बातों पर गौर करके आप पति और ब्वॉयफ्रेंड के दिल में अपनी जगह को बनाए रख सकती हैं। बहुत ही कम महिलाओं के अंदर ये खूबी पाई जाती है। लेकिन जब कभी वो खामोश होकर, आपका(पुरुषों) हाथ अपने हाथों में लेकर गौर से आपकी बातें सुनती हैं तो वो एक यादगार पल जाता है। आपके टैलेंट, आपके इमोशन की केयर करते हुए आपको आगे बढऩे के लिए बूस्टअप करती हैं तो पुरुषों के लिए ये मूवमेंट खास बन जाता है। महिलाओं की ऐसी ही हरकतें रिलेशनशिप को मजबूत बनाती हैं और आपस के प्यार को भी बनाएं रखती हैं।

आपके लिए खाना

ऑफिस में काम का प्रेशर और घर आने में बस, ऑटो, टैक्सी की धक्का-मुक्की। इन सबसे फ्री होकर जब घर पहुंचते हैं और वहां डिनर टेबल पर टेस्टी खाने के साथ खूबसूरत सी स्माइल लिए हुए वाइफ आपका इतंजार कर रही हो तो आपका दिल ही जानता होगा आपके अंदर की खुशी।

एक्शन लेना

सोसाइटी में हो रहे किसी अत्याचार को रोकने, महिलाओं के हक के लिए आवाज उठाने और गरीब बच्चों की हेल्प करने की महिलाओं की ये खास अदा लगभग हर पुरुष का दिल चुरा सकती है। वैसे वो नेचुरली इमोशनल होती हैं लेकिन अपने इस इमोशन को जब सही जगह एक्सप्रेस करती हैं तो पुरुषों के अलावा सोसाइटी में भी एक अलग ही छाप छोड़ती हैं।





जिम्मेदारी को निभाएं

पति या पत्नी में से किसी भी एक के वर्किंग आवर्स ज्यादा होने से उनके रिलेशन में दूरियां आने लगती हैं। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में बैलेंस कर पाना मुश्किल हो जाता है। डॉ. खालिदा दुधाले, रिलेशनशिप एक्सपर्स हमें बता रही हैं ऐसे ही कुछ टिप्स जो रिश्तों में बढ़ती दूरियों को कम करने और बिजी शेड्यूल में जॉयफुल लाइफ बिताने में हो सकती हैं कारगर।

मैरिड लाइफ में कम समय के कारण अक्सर जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। कौन घर का काम करेगा, कौन बाहर का। कौन बच्चों की पढ़ाई करवाएगा और कौन रिश्तेदारी निभाएगा। पति या पत्नी दोनों में से किसी भी एक के वर्किंग आवर्स ज्यादा होने पर ऐसी सिचुएशन अक्सर लड़ाई-झगड़ों का कारण बन जाती है। क्या करें- आप प्लानिंग बनाकर काम करें। काम को अपने-अपने फ्री टाइम के अनुसार बांट लें। पति के पास समय अधिक है तो वह घर के काम करने में अपनी बेइज्जती बिलकुल न समझें।

शक की गुंजाइश न रखें

अक्सर पति या पत्नी में से किसी भी एक का लंबे समय बाहर रहना कई तरह की शंकाओं को जन्म दे देता है। बाकी आग में घी काम हमारे कुछ दोस्त या पड़ोसी कर देते हैं। हम नेगेटिव होकर वह सारी बातें सोचने लगते हैं, जितना सच्चाई से कोई लेना देना नहीं होता। कलीग्स को लेकर भी प्रॉब्लम्स बढ़ने लगती है। क्या करें - पार्टनर पर आप जितना विश्वास करेंगे वह उतना ही आपके प्रति ईमानदार रहेगा। अपने कलीग्स की तुलना लाइफ पार्टनर से बिल्कुल भी न करें। लेट हो रहे हैं तो इन्फार्म कर देना बेहतर होगा।

सामाजिक बने रहें

टाइम कम होने की वजह से सोशल लाइफ एकदम से खत्म होने लगती है। पति या पत्नी अकेले किसी फंक्शन में जाकर शर्मिंदा महसूस करते हैं। कई बार अकेले आने पर लोगों के ताने भी उन्हें परेशान करते हैं। कई बार अच्छे पोजिशन पर बैठे लाइफ पार्टनर की तारीफ भी पति या पत्नी में हीन भावना पैदा करती है। क्या करें- आप अपने जीवनसाथी पर भरोसा करें। उसकी बिजी लाइफ को लोगों को समझाने की कोशिश करें। कोई उनकी तारीफ करे तो उससे चिढ़ने के बजाय अपना वैल्यू एडिशन दें।



तोंद को छिपाने के लिए अपनाएं ये

खराब फिटिंग के कपड़े पहनना एक और बड़ी समस्या है। चूंकि आपकी तोंद का आकार पहले से ही बिगड़ा हुआ है, ऐसे में इन दोनों के आपस में मिलने से आप दुगुने भद्दे नजर आएंगे। ऐसे कपड़े पहनने से बचें जो बहुत ज्यादा चुस्त और बहुत ज्यादा ढीले हों। अपनी तोंद को छुपाने का एक और तरीका यह है कि आप साधारण कपड़े पहने, जो लोगों का ध्यान आकर्षित न करता हो।

शायद ही ऐसा कोई पुरुष होगा जिन्हें उभरी हुई तोंद पसंद हो। कम से कम 40 साल से कम उम्र के पुरुष तो कभी भी ऐसा नहीं चाहेंगे। अपने कमर के ऊपर भद्दी तोंद को लेकर घूमने किसी अभिशाप से कम नहीं। इसके लिए आप लाइफस्टाइल या स्ट्रेस को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं। वहीं उपेक्षा, अज्ञानता और आलस्य के कारण भी तोंद में फैट जमा होने लगता है। वैसे तो शार्प और स्मार्ट दिखने के लिए तोंद के फैट को बर्न करना एक मुश्किल काम है, पर आप कपड़ों का चालाकी से इस्तेमाल कर अपनी उभरी हुई तोंद को छिपा सकते हैं। आप टाइट फिटिंग कपड़े न पहनें। यह तोंद के भद्देपन को और भी बढ़ा देता है। ऐसे कपड़े पहने जिससे आपकी तोंद के ईर्द—गिर्द जगह रहे। इससे बहुत हद तक तोंद को छिपाया जा सकता है।

खराब फिटिंग के कपड़े पहनना एक और बड़ी समस्या है। चूंकि आपकी तोंद का आकार पहले से ही बिगड़ा हुआ है, ऐसे में इन दोनों के आपस में मिलने से आप दुगुने भद्दे नजर आएंगे। ऐसे कपड़े पहनने से बचें जो बहुत ज्यादा चुस्त और बहुत ज्यादा ढीले हों। अपनी तोंद को छुपाने का एक और तरीका यह है कि आप साधारण कपड़े पहने, जो लोगों का ध्यान आकर्षित न करता हो। अगर लोगों का ध्यान आप पर और आपके पहनावे पर नहीं जाएगा, तो आपकी उभरी हुई तोंद भी किसी की नजर में नहीं आएगी।

गहरे रंग का चुनाव करें

गहरे रंग के कपड़े में आप थोड़े स्लिम नजर आएंगे और यह आपकी तोंद के फैट को छिपाएगा। गहरे रंग के कपड़े छिपाने के साधन का काम करते हैं और इसमें आप शार्प नजर आएंगे। गहरे रंग में आप नेवी ब्लू, ब्लैक, ब्राउन आदि रंग का चुनाव कर सकते हैं।

तंग कपड़े न पहनें

तंग कपड़े आपकी तोंद को जरूरत से ज्यादा उभार कर पेश करेगा। ऐसे कपड़े का चुनाव करें जिसकी फिटिंग अच्छी हो और जो न बहुत ज्यादा तंग हो और न ही बहुत ज्यादा ढीला। यहां तक कि आपका टी-शर्ट भी थोड़ा ढीला होना चाहिए ताकि आपकी उभरी हुई तोंद को बहुत हद तक छिपा कर रखा जा सके।

जैकेट

अच्छा जैकेट पहनना अपनी तोंद को छिपाने का सबसे अच्छा तरीका है। सही फिटिंग के पकड़े पहनना तो ठीक है पर अगर आप अपनी तोंद के फैट को छिपाना चाहतें हैं तो एक जैकेट भी कारगर होगा। यह आपकी तोंद को बारीकी से ढंकने के साथ ही लोगों का ध्यान भी इससे भटकाएगा।

लो राइज जींस

जब कैजुअल की बात आती है तो आप टी-शर्ट और जैकेट का सहारा लेते हैं। अगर बॉटम की बात की जाए तो आप लो राइज जींस पहनें जो पेट के नीचे तक हो। यह आपकी तोंद को छिपाने में मदद करेगा। यह पूरे शरीर पर स्लिमिंग इफैक्ट पैदा करता है।

टकिंग इन शर्ट

शर्ट टक-इन करने से आपका लुक बेहतर बनेगा। एक ऐसे कैजुअल शर्ट का चयन करें जो बहुत ज्यादा तंग न हो। अगर आप इसे टक-इन करके पहनेंगे तो आपकी तोंद ज्यादा हाइलाइट नहीं होगी।

सादगी

अगर आपका तोंद निकला हुआ है तो आप भड़कीले कपड़े पहनें। इससे लोगों का ध्यान आपकी तोंद की बजाय आप पर जाएगा। अगर आप चाहें तो कुछ ऐसे साधारण कपड़ों का चयन करें जो आप में घुल-मिल जाए। इससे आप पर लोगों का ध्यान कम जाएगा और आपकी तोंद भी लोगों की नजर में नहीं आएगी।

ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की लंबी छलांग, बिजली उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

❐ विद्युत उत्पादन क्षमता चार गुना, सौर ऊर्जा क्षमता सात गुना तक पहुंची ❐ कुसुम घटक सी में शून्य से 3758 मेगावाट पहुंची क्षमता



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से राजस्थान में बिजली उत्पादन और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण में ऐसा अभूतपूर्व बदलाव आया है जिससे राजस्थान ऊर्जा संपन्न बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। विद्युत उत्पादन क्षमता, सौर ऊर्जा, ट्रांसफार्मर क्षमता आवर्धन सहित विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान सरकार ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की तुलना में कई गुना उपलब्धियां हासिल की हैं। इससे किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं और उद्योगों को निर्बाध और पर्याप्त बिजली सुनिश्चित हो रही हैं। भजनलाल सरकार के कार्यकाल (दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक) में गत तीन वर्ष के दौरान कुल विद्युत उत्पादन क्षमता में 11,699 मेगावाट की भारी वृद्धि हुई है। जबकि गत सरकार के शुरुआती तीन वर्षों में (दिसंबर 2018 से अक्टूबर 2021 तक) यह वृद्धि मात्र 2,969 मेगावाट ही थी। इस प्रकार कुल उत्पादन क्षमता में चार गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। वहीं, सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भी राजस्थान ने नई बुलंदियों को छू रहा है। सितंबर 2026 तक सौर क्षमता में 28,302 मेगावाट का इजाफा हुआ है, जो कि पूर्ववर्ती सरकार के 3,984 मेगावाट की तुलना में लगभग सात गुना से भी अधिक है। ट्रांसफार्मर क्षमता के आवर्धन में भी भाजपा सरकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। सितंबर 2026 तक ट्रांसफार्मर क्षमता में 4,902 एमवीए की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पूर्व सरकार के 2,813 एमवीए से काफी अधिक है। वहीं अतिरिक्त उच्च वोल्टेज ट्रांसफार्मर क्षमता आवर्धन के मामले में वर्तमान सरकार के दौरान लगभग तीन गुना गति के साथ 12,619 एमवीए की बढ़ोतरी हुई है, जबकि गत सरकार के समय यह 4,734 एमवीए रही थी। सौर ऊर्जा से कृषि को जोड़ने वाली पीएम-कुसुम योजना के तहत भी अभूतपूर्व कार्य हुआ है। कुसुम घटक-ए के अंतर्गत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 1,779 मेगावाट क्षमता स्थापित की जा चुकी है, जबकि पूर्व सरकार के दौरान यह आंकड़ा महज 9.5 मेगावाट था। इसके अतिरिक्त, कुसुम घटक-सी के तहत वर्तमान सरकार में अब तक 3,758 मेगावाट क्षमता विकसित की गई है, जबकि पिछली सरकार के समय इसकी क्षमता शून्य थी। भजनलाल सरकार ने विद्युत वितरण और प्रसारण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य में 400/220/132 केवी के 64 नए ग्रिड सब-स्टेशन स्थापित किए हैं, जबकि पिछली सरकार के दौरान ऐसे 27 सब-स्टेशन ही स्थापित हो सके थे।

इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 33 केवी के 542 नए सब-स्टेशन का निर्माण किया गया है, जबकि गत सरकार में यह संख्या 486 तक ही पहुंची थी।

100 फीट रोड पर अवैध निर्माणों पर चला जेडीए का पीला पंजा



जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन शाखा द्वारा बुधवार को गुर्जर की थड़ी से सोडाला जाने वाली 100 फीट रोड के दोनों ओर किए गए अतिक्रमणों के खिलाफ सघन कार्रवाई की गई। माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में जेडीए द्वारा चार प्रवर्तन टीमों का गठन कर संयुक्त अभियान चलाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस आनन्द शर्मा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान सड़क सीमा के दोनों ओर अतिक्रमण कर बनाई गई दुकानों, मकानों, बालकनियों, बाउंड्रीवाल, टीनशेड, चबूतरों एवं सीढ़ियों सहित अन्य अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। जेसीबी एवं लोडर मशीनों तथा मजदूरों की सहायता से अतिक्रमण हटाकर सड़क सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। अभियान में प्रवर्तन-द्वितीय एवं तृतीय के उपनियंत्रकों सहित जोन-सी, 08, 14, 20, 11, 07, 22, 09, 17, 12, पीआरएन, बी एवं 24 की प्रवर्तन टीमों ने भाग लिया। कार्रवाई के दौरान जयपुर पुलिस आयुक्तालय से प्राप्त अतिरिक्त पुलिस बल, स्थानीय सोडाला थाना पुलिस, जेडीए के राजस्व एवं तकनीकी स्टाफ का सहयोग रहा।

जयपुर को मिलेगी फॉरेंसिक साइंस और साइबर सेवाओं की नई सौगात



जयपुर (कासं)। राजस्थान आवासन मंडल के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को मंडल की 256वीं संचालक मंडल बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडल के कार्मिकों के हितों, संस्थागत सुदृढ़ीकरण, वित्तीय पारदर्शिता तथा जयपुर शहर में आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में प्रताप नगर योजना, सांगानेर स्थित कोचिंग हब के बेहतर उपयोग को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके तहत सेक्टर-16 स्थित कोचिंग हब के प्रशासनिक भवन के टावर संख्या 5, 7 एवं 8 को गृह विभाग, राजस्थान सरकार के माध्यम से नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (NFSU) एवं केंद्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला (CFSL) के शैक्षणिक एवं संस्थागत प्रयोजनार्थ आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस निर्णय से जयपुर में फॉरेंसिक विज्ञान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी संस्थागत गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा कोचिंग हब की उपलब्ध परिसंपत्तियों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा।

इसी क्रम में कोचिंग हब के टावर संख्या-6 को RyC भवन तथा AI आधारित साइबर हेल्पलाइन 1930 कॉल सेंटर के संचालन के लिए आवंटित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इससे साइबर अपराधों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण एवं तकनीक आधारित सेवाओं के संचालन के लिए आवश्यक संस्थागत आधारभूत संरचना उपलब्ध हो सकेगी। बैठक में जयपुर शहर की स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके अंतर्गत नगर निगम जयपुर को प्रताप नगर योजना के सेक्टर-5 में 9,128.72 वर्ग मीटर भूमि मेकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन एवं आधुनिक गैराज के निर्माण हेतु निःशुल्क आवंटित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इस पहल से शहर में ठोस कचरा प्रबंधन एवं परिवहन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और आधुनिक बनाने में सहयोग मिलेगा। मंडल के कार्मिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार की अधिसूचना दिनांक 17 अगस्त 2026 के क्रम में वर्ष 2026-27 में नियमित कार्मिकों को पदोन्नति प्रदान किए जाने हेतु कार्यानुभव में शिथिलन के संबंध में कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त मंडल में गठित उद्यानिकी संवर्ग के लिए आवश्यक पदों के सृजन के प्रस्ताव को भी कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। इससे मंडल की उद्यानिकी संबंधी गतिविधियों के लिए समर्पित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। बैठक में मंडल के वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित वार्षिक लेखों (अंतिम लेखों) को भी संचालक मंडल के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया गया। बैठक में आवासन आयुक्त अरविन्द पोसवाल, सचिव गोपाल सिंह, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, टी.एस. मीणा सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्थिक विकास हर नागरिक तक पहुंचे और कोई पीछे न छूटेः मुख्य सचिव



सियोल/जयपुर (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव और अंतर्राष्ट्रीय प्रशासनिक विज्ञान संस्थान के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने बुधवार को उद्देश्यपूर्ण आर्थिक विकास का आह्वान किया, जिससे हर नागरिक को लाभ मिले और कोई भी पीछे न छूटे। दक्षिण कोरिया के सियोल में IIAS 2026 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय संबोधन देते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यक्रम सभी पात्र नागरिकों तक पहुंचने चाहिए, जो 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को दर्शाता है। कोरिया में पहली बार आयोजित हो रहे IIAS सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रीनिवास ने सरकारों, व्यवसायों, नागरिक समाज, शिक्षाविदों और समुदायों से आग्रह किया कि वे मिलकर ऐसे समाधान पर काम करें जो लोगों की जरूरतों के अनुरूप हों और सामाजिक मूल्य पैदा करें। उन्होंने सम्मेलन की थीम 'समाज के लिए विकासः सहयोगात्मक शासन, सामाजिक नवाचार और सामाजिक मूल्य' को भागीदारी और नवाचार के माध्यम से समावेशी विकास को आगे बढ़ाने का ढांचा बताया। भारत और कोरिया के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का उल्लेख करते हुए श्रीनिवास ने कहा कि दोनों देश पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित शासन के माध्यम से नागरिकों और सरकारों को करीब लाने की प्रतिबद्धता साझा करते हैं। उन्होंने कोरिया की अग्रणी ई-गवर्नेंस प्रणाली और संस्थागत दक्षता के साथ-साथ भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और अगली पीढ़ी के प्रशासनिक सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण और संस्थानों का डिजिटल रूपांतरण 'अधिकतम शासन-न्यूनतम सरकार' के सिद्धांत को साकार करता है। श्रीनिवास ने कहा कि सम्मेलन में द्ब्ल्ब्स् गवर्नेंस इंडेक्स लॉन्च किया जाएगा, जो 50 मुख्य चरों का उपयोग करके 164 देशों में सार्वजनिक संस्थानों के प्रदर्शन का आकलन करेगा। यह इंडेक्स दुनिया भर में प्रशासनिक क्षमता को मजबूत करने के प्रयासों को समर्थन देने के लिए एक अनुभवजन्य बेंचमार्क प्रदान करेगा। जनसांख्यिकीय बदलाव, तेजी से बढ़ती उम्रदराज आबादी, जलवायु-जनित आपात स्थितियों, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ते बदलाव का उल्लेख करते हुए श्रीनिवास ने समकालीन शासन चुनौतियों के लिए सहयोगात्मक प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मानवता में निहित रहना चाहिए और जीवन, शांति और जनहित की सेवा करनी चाहिए। सम्मेलन में 14 विषयगत ट्रैकों पर विचार-विमर्श होगा, जिसमें 373 शोध पत्र स्वीकार किए गए हैं। IIAS के 2030 में शताब्दी वर्ष के करीब पहुंचने पर श्रीनिवास ने डिजिटल रूप से चुस्त, प्रकाशनों से समृद्ध और संसाधन-संपन्न संस्थान के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जो ज्ञान के आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से सरकारों, लोक सेवकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों की सेवा करेगा।

जयपुर स्थापना दिवस के जश्न के बीच उजड़ रहे आशियानेः खाचरियावास

जयपुर (कासं)। पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने न्यू सांगानेर रोड पर जयपुर के स्थापना दिवस पर भाजपा सरकार द्वारा की गई तोड़ फोड़ को पूरी तरीके से गैरकानूनी और जनता को उजाड़ने वाला फैसला बताया पुनर्वास और मुआवजे के बिना तोड़फोड़ करना पूरी तरीके से गैरकानूनी है ,न्यू सांगानेर रोड पर दुकान के बदले दुकान और मकान के बदले मकान पहले देना चाहिए था उसके बाद तोड़फोड़ करनी चाहिए थी कांग्रेस सरकार के समय इसी न्यू सांगानेर रोड पर मेट्रो के दौरान और अन्य कामों के लिए जब सड़क चौड़ी करी गई तो पहले पुनर्वास और मुआवजे के तहत दुकान और मकान दिए गए इसी तरह झोटवाड़ा में भी सड़क चौड़ी करने से पहले 735 दुकानों को लोहा मंडी में दुकान और मकान दिए गए उसके बाद तोड़फोड़ की गई पुनर्वास और मुआवजे का कानून कांग्रेस सरकार के समय बना दिया गया था उसके बावजूद भाजपा सरकार कोर्ट में मुआवजे का एफिडेविट देने के बजाय मास्टर प्लान के तहत तोड़फोड़ के लिए सहमति देती है यह भाजपा सरकार का दोगला चेहरा है राज्य की भाजपा सरकार ने ही हाई कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से सड़क चौड़ी करने और तोड़फोड़ करने का एफिडेविट दिया है सरकार चाहती तो दुकान और मकान बचाए जा सकते थे तथा उन्हें तोड़फोड़ की स्थिति में पहले मुआवजा दिया जा सकता था खाचरियावास ने कहा कि जनता ने भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधायक गोपाल शर्मा पर ज्यादा भरोसा किया उसे भरोसे को तोड़ते हुए भाजपा सरकार ने लोगों की दुकान और मकान तोड़कर उन्हें बेघर कर दिया और कोई मुआवजा नहीं दिया गया यह जनता के साथ धोखा है कांग्रेस पार्टी इस धोखे के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करेगी!



टीकाकरण और एनसीडी स्क्रीनिंग पर विशेष फोकस

जयपुर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बुधवार को सेठी कॉलोनी स्थित मिनी स्वास्थ्य भवन, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने की। बैठक में ब्लॉक जमवारामगढ़ एवं आंधी के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक कार्यक्रम अधिकारी एवं बीएनओ उपस्थित रहे। बैठक में सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र बच्चों का पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ ही टीकाकरण से संबंधित समस्त ऑनलाइन एंट्री समय पर पूर्ण की जाए। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनकी नियमित निगरानी एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित किया जाए। उलाडो योजना के पात्र लाभार्थियों को शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने, एनसीडी कार्यक्रम के तहत स्क्रीनिंग बढ़ाने तथा चिन्हित मरीजों का नियमित फॉलोअप करने के निर्देश दिए। साथ ही निदेशालय से प्राप्त निर्देशों की पालना में ब्लॉक क्षेत्र में संचालित झोलाछाप चिकित्सकों की पहचान कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

लोकमंथन 2026: 4 से 6 दिसंबर तक लोक संस्कृति का महाकुंभ



जयपुर (कासं)। लोकमंथन का पांचवां संस्करण 4, 5 और 6 दिसंबर 2026 को जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित होगा। इसमें उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, अयोध्या स्थित श्रीहनुमत निवास के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वक्ताओं में जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष हर्ष चौहान और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत समेत कई प्रख्यात व्यक्तित्व शामिल होंगे। कार्यक्रम में देश भर से दो हज़ार से अधिक चयनित प्रतिभागी और प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह जानकारी बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक एवं लोकमंथन स्वागत समिति के महासचिव जे. नंदकुमार और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं लोकमंथन आयोजन समिति की अध्यक्ष दिया कुमारी ने दी। जे. नंदकुमार ने बताया कि लोकमंथन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि लोकजीवन, लोकचेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा को राष्ट्रीय विमर्श में उचित स्थान दिलाने का व्यापक प्रयास है। इसका मूल उद्देश्य लोक और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद का सेतु बनाना तथा लोक के अनुभव, ज्ञान और परंपराओं को आधुनिक अकादमिक एवं बौद्धिक विमर्श से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि लोक का अर्थ केवल ग्रामीण या जनजातीय समाज नहीं, बल्कि भारत की मौलिक संस्कृति है, जो देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में भोपाल से शुरू हुई लोकमंथन की यात्रा रांची, गुवाहाटी और भाग्यनगर (हैदराबाद) होते हुए अब जयपुर पहुंची है। पिछले चार आयोजनों से लोक संस्कृति, लोक कलाकारों और पारंपरिक ज्ञान को राष्ट्रीय विमर्श में अधिक स्थान मिला है।

न्यूज इनबॉक्स

शिवराज सिंह चौहान की माताजी के निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया शोक

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास पर पहुंचकर उनकी माताजी काशी बाई के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत काशी बाई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

राज्यपाल ने सवाई जयसिंह की प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि, दीपोत्सव में हुए शामिल

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे बुधवार को जयपुर स्थापना दिवस पर स्टेच्यू सर्किल पर आयोजित विशेष दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। बागडे ने जयपुर स्थापना दिवस की सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने वहां आयोजित दीपोत्सव की सराहना की। उन्होंने वहीं बाद में हुई विशेष आतिशबाजी भी देखी। उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, सांसद घनश्याम तिवाड़ी और महापौर सुनील कोठारी भी उपस्थित रहे।

हवाला के 80 लाख रुपये बरामद, गुजरात के मेहसाणा निवासी तीन व्यक्ति पकड़े

जयपुर (कासं)। उदयपुर जिले की सूरजपोल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हवाला के संदिग्ध 80 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में गुजरात के मेहसाणा जिले के रहने वाले तीन व्यक्तियों को पकड़ा है। आरोपी नकदी को बनियान के अंदर और बैग में छिपाकर ले जा रहे थे। तलाशी के दौरान उनके पास से 500-500 रुपये के कुल 16 हजार नोट बरामद हुए। राशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर पुलिस ने नकदी जब्त कर गहन जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा एवं वृत्ताधिकारी नगर पूर्व छवि शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी सूरजपोल कमलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

मुखबिर की सूचना पर तीन संदिग्धों को पकड़ा

18 नवम्बर की रात्रि को सूरजपोल थाने की हॉक में तैनात कांस्टेबल शिवलाल को मुखबिर से सूचना मिली कि क्षेत्र में तीन संदिग्ध व्यक्ति घूम रहे हैं। उनके पास हथियार होने अथवा किसी वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई गई थी। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए हुलिए के तीनों व्यक्तियों हार्दिक कुमार प्रजापति (34) पुत्र दशरथ भाई, जयेश भाई प्रजापति (44) पुत्र सोमा भाई और दिनेश भाई पटेल (59) पुत्र भगवान दास निवासी मेहसाणा गुजरात को पकड़कर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हथियार होने से इनकार किया, लेकिन उनके पास हवाला के 80 लाख रुपये होने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई।

बनियान और बैग में छिपा रखे थे 80 लाख रुपये

तलाशी में हार्दिक कुमार प्रजापति की बनियान के अंदर से 20 लाख रुपये तथा उसके बैग से 20 लाख रुपये, इस प्रकार कुल 40 लाख रुपये मिले। जयेश भाई प्रजापति की बनियान के अंदर से 20 लाख रुपये तथा दिनेश भाई पटेल के बैग से 20 लाख रुपये बरामद हुए।

पुलिस टीम की रही विशेष भूमिका

कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी कमलेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक शिवदत्त सिंह, सहायक उप निरीक्षक शीशराम एवं महेश, हेड कांस्टेबल गणेशलाल तथा कांस्टेबल हितेन्द्र सिंह, गणिराज सिंह, शिवलाल और शंकर शामिल रहे। कार्रवाई में कांस्टेबल शिवलाल एवं कांस्टेबल शंकर की विशेष भूमिका रही। पुलिस अब बरामद नकदी के स्रोत, उसके परिवहन के उद्देश्य और संभावित हवाला नेटवर्क के संबंध में आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जायरीनों की जेब काटने वाली शातिर गैंग का पर्दाफाश, पांच आरोपी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। अजमेर स्थित विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में जियारत के लिए आने वाले जायरीनों की जेबतराशी कर मोबाइल फोन चोरी करने वाली गैंग का अजमेर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 25 कीमती एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई गई है। महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज डॉ. रवि एवं पुलिस अधीक्षक अजमेर हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देश पर शहर में चोरी, नकबजनी एवं लूट की वारदातों पर अंकुश लगाने तथा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर एवं मुख्यालय हिमांशु जांगिड तथा दरगाह वृत्ताधिकारी हर्षित शर्मा के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी दिनेश कुमार जीवनानी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने दरगाह परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी सहायता से फुटेज का विश्लेषण करने के साथ ही मुखबिरों और होटल संचालकों से संपर्क कर संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में जानकारी जुटाई गई। लगातार गश्त, निगरानी और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने जेबतराशी कर मोबाइल चोरी करने वाले संगठित गिरोह का पता लगाया। पुलिस ने मंगलवार 17 नवंबर को कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दरगाह शरीफ में जायरीनों की जेबतराशी कर चुराए गए 25 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इस संबंध में थाना दरगाह में मामला दर्ज किया गया है। मामले में थाना दरगाह क्षेत्र निवासी आरोपी मोहम्मद आमिर (20) पुत्र मोहम्मद सलीम, मोहम्मद ग्यासुदीन (20) पुत्र मोहम्मद जाहिद, फरदीन खान (21) पुत्र मोहम्मद फरजान, शेख फरहान आलम (23) पुत्र मुख्तार शेख और मोहम्मद शाहिद (21) पुत्र मोहम्मद शरीफ को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया

पकड़े गए सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं, जिनके विरुद्ध पहले से ही विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट और जुआ अधिनियम के कई मामले दर्ज हैं। मोहम्मद आमिर पर चोरी व संगठित अपराध से जुड़े 03 प्रकरण दर्ज हैं, मोहम्मद ग्यासुद्दीन पर चोरी व संगठित अपराध के 02 मामले, फरदीन खान पर चोरी का मामला दर्ज, जिसमें बाल न्यायालय द्वारा अर्थदंड से दंडित किया जा चुका है और शेख फरहान आलम पर चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट और जुआ अधिनियम के लगभग एक दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें से कई मामलों में सजा भी हो चुकी है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625